3701

No of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-19

# हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

## सत्रांत परीक्षा, 2019

## एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे अधिकतम अंक : 50

---

नोट : **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है। शेष प्रश्नों में से **कुल** तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं दा** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [10×2=20]

(क) बंद किले के बाहर
झाँक कर तो देखो
बरफ पिघल रही है
बछड़े मार रहे हैं फुर्री
बैल धूप चबा रहे हैं
और एकलव्य
पुराने जंग लगे तीरों को
आग में तपा रहा है।

(ख) माँ–बाप ने पैदा किया था गूँगा!
परिवेश ने लंगड़ा बना दिया
चलती रही
निश्चित परिपाटी पर
बैसाखियों के सहारे
कितने पड़ाव आए ?
आज जीवन के चढ़ाव पर
बैसाखियाँ चरमराती हैं।

(ग) नर्म और मासूम बालमन पर एक खरौंच पड़ गई थी, जो समय के साथ–साथ ग्रन्थि बन गई थी। जब भी पच्चीस की संख्या पढ़ता या लिखता उसे पच्चीस चौका डेढ़ सौ ही याद आता।

(घ) तू चिंता मत कर जमना! धिक्कार है मुझे जो मैंने इनसे तुम्हारी इज्जत का बदला नहीं लिया। मैं इन पापियों–चंडालों को बता दूँगा कि अछूत गरीब की भी इज्जत होती है और वह इज्जत से जीना जानता है।

2. दलित साहित्य आन्दोलन की वैचारिकी पर प्रकाश डालिए। [10]

3. 'आज का रैदास' कविता में निहित विद्रोही स्वर को रेखांकित कीजिए। [10]

4. 'आमने-सामने' कहानी की मूल संवेदना की विवेचना कीजिए। [10]

5. 'आत्मकथा विधा की विशेषताएँ बताइये। [10]

6. 'आवाजें' कहानी का मूल उद्देश्य लिखिए। [10]

7. दलित स्त्री की आत्मकथा का वैशिष्ट्य बताइये। [10]

----- x -----